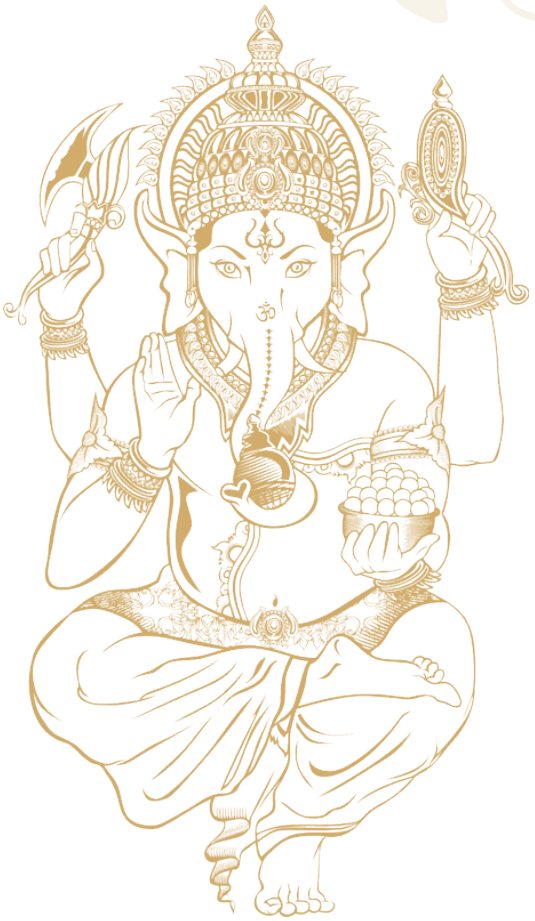

Janvi

21 Mar 2009

09:25 PM

Panchkula

Model: web-freekundliweb

Order No: 121423903

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/03/2009**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**21:25:00 घंटे**
इष्ट	37:27:44 घटी
स्थान	**Panchkula**
देश	India

अक्षांश	30:43:00 उत्तर
रेखांश	76:47:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:02:08 घंटे
वेलान्तर	-00:07:11 घंटे
साम्पातिक काल	08:59:19 घंटे
सूर्योदय	06:25:54 घंटे
सूर्यास्त	18:34:42 घंटे
दिनमान	12:08:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	07:10:37 मीन
लग्न के अंश	14:29:26 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शिव
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जी-जीवन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	14:29:26	305:03:56	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
सूर्य			मीन	07:10:37	00:59:35	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			मक	08:54:19	11:58:54	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	सम राशि
मंगल			कुंभ	11:07:13	00:46:59	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
बुध		अ	कुंभ	28:07:30	01:50:55	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मक	23:05:46	00:12:07	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	नीच राशि
शुक्र	व		मीन	16:59:19	00:33:24	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	उच्च राशि
शनि	व		सिंह	23:23:00	00:04:34	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
राहु			मक	14:02:46	00:00:33	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
केतु			कर्क	14:02:46	00:00:33	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	29:06:26	00:03:25	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	---
नेप			कुंभ	01:17:13	00:01:56	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
प्लूटो			धनु	09:15:28	00:00:27	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	18:22:47	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:59:23

लग्न-चलित

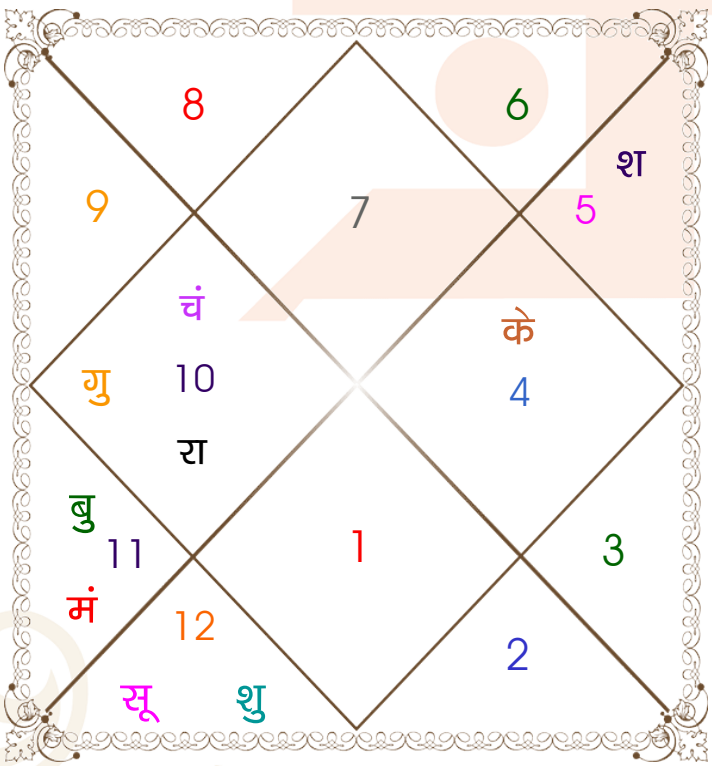

चन्द्र कुंडली

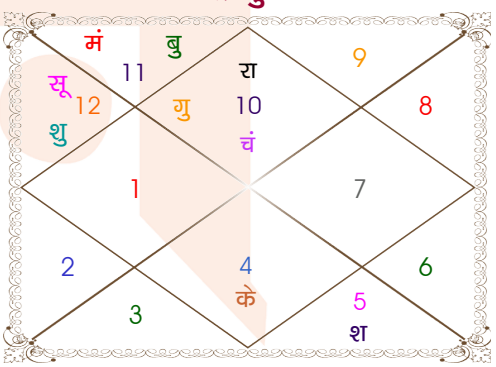

नवमांश कुंडली

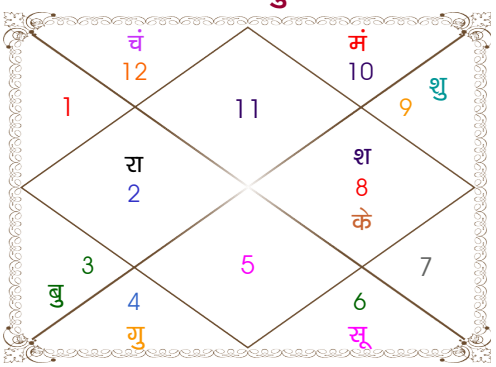

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 5 मास 27 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
21/03/2009		17/09/2009		18/09/2019		18/09/2026		17/09/2044	
17/09/2009		18/09/2019		18/09/2026		17/09/2044		17/09/2060	
	00/00/0000	चंद्र	19/07/2010	मंगल	14/02/2020	राहु	31/05/2029	गुरु	05/11/2046
	00/00/0000	मंगल	17/02/2011	राहु	03/03/2021	गुरु	24/10/2031	शनि	19/05/2049
	00/00/0000	राहु	18/08/2012	गुरु	07/02/2022	शनि	30/08/2034	बुध	24/08/2051
	00/00/0000	गुरु	18/12/2013	शनि	19/03/2023	बुध	19/03/2037	केतु	30/07/2052
	00/00/0000	शनि	19/07/2015	बुध	15/03/2024	केतु	06/04/2038	शुक्र	31/03/2055
	00/00/0000	बुध	17/12/2016	केतु	12/08/2024	शुक्र	06/04/2041	सूर्य	18/01/2056
	00/00/0000	केतु	18/07/2017	शुक्र	12/10/2025	सूर्य	01/03/2042	चंद्र	19/05/2057
	21/03/2009	शुक्र	19/03/2019	सूर्य	17/02/2026	चंद्र	31/08/2043	मंगल	24/04/2058
शुक्र	17/09/2009	सूर्य	18/09/2019	चंद्र	18/09/2026	मंगल	17/09/2044	राहु	17/09/2060

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
17/09/2060		18/09/2079		17/09/2096		19/09/2103		19/09/2123	
18/09/2079		17/09/2096		19/09/2103		19/09/2123		22/03/2129	
शनि	21/09/2063	बुध	13/02/2082	केतु	13/02/2097	शुक्र	18/01/2107	सूर्य	06/01/2124
बुध	31/05/2066	केतु	11/02/2083	शुक्र	15/04/2098	सूर्य	19/01/2108	चंद्र	07/07/2124
केतु	10/07/2067	शुक्र	12/12/2085	सूर्य	21/08/2098	चंद्र	18/09/2109	मंगल	12/11/2124
शुक्र	08/09/2070	सूर्य	18/10/2086	चंद्र	22/03/2099	मंगल	18/11/2110	राहु	07/10/2125
सूर्य	21/08/2071	चंद्र	18/03/2088	मंगल	18/08/2099	राहु	18/11/2113	गुरु	26/07/2126
चंद्र	22/03/2073	मंगल	16/03/2089	राहु	06/09/2100	गुरु	19/07/2116	शनि	08/07/2127
मंगल	01/05/2074	राहु	03/10/2091	गुरु	13/08/2101	शनि	19/09/2119	बुध	13/05/2128
राहु	07/03/2077	गुरु	08/01/2094	शनि	22/09/2102	बुध	20/07/2122	केतु	18/09/2128
गुरु	18/09/2079	शनि	17/09/2096	बुध	19/09/2103	केतु	19/09/2123	शुक्र	22/03/2129

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 5 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।